मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के हिंदी विभाग ने किया- महिला दिवस के उपलक्ष्य में परिचर्चा का आयोजन

नई दिल्ली, 10 मार्च, 2026

हिन्दी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 09 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में "स्त्री चिंतन और लेखन : टूटते दायरे और बढ़ती चुनौतियां" विषयक परिचर्चा का आयोजन किया। इस परिचर्चा की अध्यक्षता हिन्दी विभाग की प्रो. हेमलता महिश्वर ने की और वक्ता के रूप में प्रो गोमती बोदरा हेंब्रोम, डॉ. फ़िरदौस अज़मत सिद्दीकी और डॉ. शिमी मोनी डोले ने अपने विचार व्यक्त किये।

परिचर्चा का प्रारंभ करने हुए हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नीरज कुमार ने स्वागत वक्तव्य में महिला संघर्ष के ऐतिहासिक संदर्भों के साथ वर्तमान समय और आज की वास्तविकता पर प्रकाश डाला। इस क्रम में उन्होंने महिला शिक्षा, बाल अधिकार, पूंजीवाद, औपनिवेशिक संस्कृति आदि गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

स्वागत वक्तव्य के बाद डॉ. शिमी मोनी डोले ने विषय पर बात करते हुए कहा कि हमें दलित और आदिवासी महिलाओं के संदर्भ में गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने स्त्री, दलित और दलित स्त्री जैसी गंभीर संरचनाओं पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए। अपने वक्तव्य के दौरान उन्होंने स्त्रियों की आवाज़' तथा 'स्त्रियों को सहानुभूति की जगह सामानुभूति' की पैरवी की। उनके बाद डॉ. फ़िरदौस अज़मत सिद्दीकी ने महिला संगठनों द्वारा अभिव्यक्ति की आज़ादी और मानवाधिकार के सन्दर्भ में गंभीर प्रश्न उठाए। उन्होंने इस संदर्भ में मुस्लिम महिलाओं की आज़ादी और उनके अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सिर्फ़ क़ानूनी व्यवस्था से समस्याओं का समाधान संभव नहीं है इसके लिए शिक्षा और जागरूकता महत्वपूर्ण बिंदु हैं। उन्होंने औपनिवेशिक शासन की मुस्लिम महिलाओं के प्रति विसंगतियों पर ध्यान आकर्षित करते हुए मुस्लिम महिलाओं के वास्तविक परिस्थितियों को रेखांकित किया।

अगले वक्ता के रूप में प्रो. गोमती बोदरा हेंब्रोम ने नेशन-स्टेट जैसे गंभीर विषय पर बात करते हुए इस विषय को भूमंडलीकरण के साथ जोड़ा और आज के हालात पर गंभीर प्रश्न उठाए। साथ ही उन्होंने संगठनों के बीच टकराव की परिस्थितियों पर गंभीरता से अपनी बात रखी।

परिचर्चा के अध्यक्ष के रूप में प्रो. हेमलता महिश्वर ने सभी वक्ताओं के विचारों का समाहार करते हुए वर्तमान सामाजिक चुनौतियों को विश्लेषित किया। उन्होंने स्त्री और जाति के सन्दर्भ में बात रखते हुए थेरियों के आरंभिक संघर्षों का परिचय देते हुए वर्तमान परिस्थितियों से जोड़ा।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रो. कहकशां एहसान साद ने इस परिचर्चा के आरंभ में परिचर्चा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने समय-समय पर रचनात्मक हस्तक्षेप करते हुए विषय को गंभीरता प्रदान करने का कार्य किया। प्रो. दिलीप शाक्य ने अध्यक्ष व सभी वक्ताओं के साथ-साथ उपस्थित श्रोताओं में हिन्दी विभाग व अन्य विभागों के अध्यापकों और छात्र-छात्राओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र और छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी

हिन्दी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया
द्वारा
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
के उपलक्ष्य में आयोजित परिचर्चा
विषय - स्त्री चिंतन और लेखन : टूटते दायरे और बढ़ती चुनौतियाँ
वक्ता

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
H76p+457, Ghaffar Manzil Colony, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi, Delhi 110025, India
Lat 28.560257° Long 77.285385°
Monday, 09/03/2026 11:04 AM GMT +05:30
Google

***